

'हिंदी दिवस' के अंतर्गत 'राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता' और 'विस्तृत वक्तव्य' का आयोजन

16 सितंबर, 2026 को कुमारी विद्यावती आनंद डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय, करनाल में हिंदी विभाग और हिंदी साहित्य परिषद् की ओर से 'हिंदी दिवस' के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रमों के अंतर्गत 'राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता' और 'विस्तृत वक्तव्य' का आयोजन किया गया का आयोजन किया गया जिनका विषय रहा :- 'हिंदी राष्ट्रभाषा हो' राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डी.ए.वी. पी.जी. कालेज करनाल से सेवानिवृत्त हिंदी विभागाध्यक्ष डा. उषा शर्मा और राजकीय महिला महाविद्यालय करनाल में हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रो. अंजू बाला शामिल रहीं। प्रतियोगिता में हरियाणा के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थी शामिल रहे। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय स्तर पर चित्र निर्माण, नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मीनू शर्मा ने निर्णायक मंडल को हरे पौधे भेंट कर स्वागत किया। प्रतिभागी छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि हिंदी हमारी आत्मा की भाषा है, जो भारत में सबसे अधिक भू भाग पर बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी भाषा भारतीय समाज और संस्कृति की संवाहक और संरक्षक है। भारतीय अस्मिता की द्योतक है। इसी आधार पर हिंदी राष्ट्रभाषा बनने की अधिकारी है। राज्य स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता में खुशबू आर्य पीजी कालेज पानीपत ने पहला, महकप्रीत कौर गुरु नानक खालसा कालेज करनाल ने दूसरा तथा भावना आर्य पीजी कालेज पानीपत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय स्तरीय चित्र निर्माण प्रतियोगिता में नैना और जिया ने प्रथम, शिवानी व दीक्षा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। नारा लेखन प्रतियोगिता में शिवानी ने पहला, ललित ने दूसरा तथा चिंकी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने हिंदी राष्ट्र भाषा हो के पक्ष-विपक्ष में तर्कसंगत विचार रखे और वाद विवाद किया। मुख्य वक्ता डा. उषा शर्मा ने हिंदी राष्ट्रभाषा हो के विषय में विस्तृत वक्तव्य देते हुए कहा कि 75 प्रतिशत लोग हिंदी भाषा को भारत में बोलते और समझते हैं। इसलिए हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का विरोध नहीं होना चाहिए। श्रीमती अंजू बाला ने प्रतिभागी छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों की श्रेष्ठताओं और न्यूनताओं का विश्लेषण करते हुए निर्णय प्रस्तुत किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. सुषमा ठाकुर ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। डा. सुनीता सलारिया एसोसिएट प्रो. हिंदी विभाग ने कार्यक्रम में मंच संचालन किया। वरिष्ठ प्राध्यापिकाएं डा. मंजू सिंह, डा. सुनीत भंडारी और डा. संगीता गौरांग कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। डा. रीतू राणा, डा. बलजीत, डा. सतविंद्र और डा. सीमा रानी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया। अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Glimpses of Event:

